शनि देव की आरती

जय जय शनिदेव महाराज,
जग के संकट हरने वाले।

तुम सूर्यपुत्र बलधारी,
भय मानत दुनिया सारी जी।
साधत हो दुर्लभ काज॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तुम धर्मराज के भाई,
जम क्रूरता पाई जी।
घन गर्जन करत आवाज॥

तुम नील देव विकरारी,
भैंसा पर करत सवारी जी।
कर लोह गदा रहें साज॥

तुम भूपति रंक बनाओ,
निर्धन सिर छत्र धराओं जी।
समरथ हो करन मम काज॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

राजा को राज मिटाओ,
जिन भगतों फेर दिवायों जी।
जग में ह्वै गयी जै जैकार ॥

तु हो स्वामी, हम चरनन
सिर करत नमामि जी।
पुरवो जन जन की आस॥

यह पूजा देव तिहारी,
हम करत दिन भाव ते पारी जी।
अंगीकृत करो कृपालु जी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

प्रभु सुधि दृष्टि निहारौ,
क्षमिये अपराध हमारो जी।
है नाथ तिहारे ही लाज॥

हम बहुत विपत्ति घबराए,
शरनागति तुमरी आए जी।
प्रभु सिद्ध करो सब काज॥

यह विनय कर जोर के,
भक्त सुनावें जी।
सुर देवन के सिर ताज॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता

हिन्दीपथ.कॉम